छोटा जादूगर

लेखक :
जयशंकर प्रसाद

youtube.com/alpanaverma2

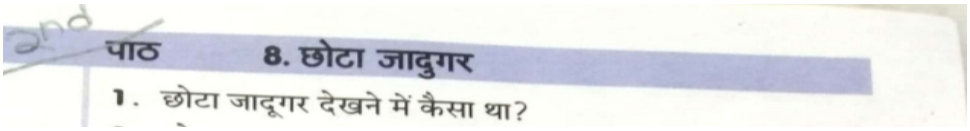
पाठ 8. छोटा जादुगर

1. छोटा जादूगर देखने में कैसा था?

उत्तर :-छोटा जादूगर तेरह -चौदह वर्ष का बालक था ।गंभीर विषाद के साथ धैर्य उसके चेहरे पर साफ झलकता था । उसका अभावग्रस्त वेश -भूषा भी लेखक को आकर्षित करता है।

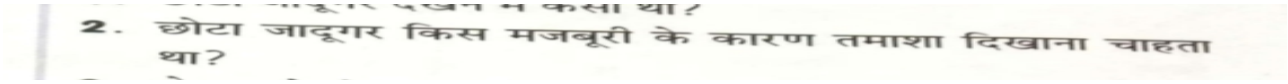
2. छोटा जादूगर किस मजबूरी के कारण तमाशा दिखाना चाहता था?

उत्तर :- छोटा जादूगर की उम्र कम थी ।लेकिन अभाव और माँ की बीमारी ने उसे जिम्मेदार बना दिया था।उसके पिता देश के लिए ही जेल में थे और माँ के बीमार होने के कारण इलाज तथा जीविका के लिए वह तमाशा दिखाना चाहता था।

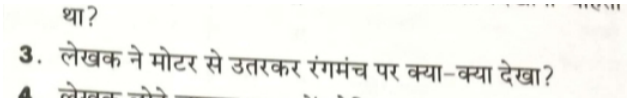
था?

3. लेखक ने मोटर से उतरकर रंगमंच पर क्या-क्या देखा?

उत्तर :- लेखक मोटर से उतर कर देखते है कि छोटा जादूगर ने अपना रंगमंच सड़क पर ही सजा कर तमाशा दिखा रहा है।लेकिन हमेशा की तरह उसकी वाणी में प्रसन्नता आज लेखक को नज़र नहीं आ रही थी।उसका स्वर आज कांप रहा था।

4. लेखक छोटे जादूगर पर क्यों क्रोधित हुआ?

उत्तर :- छोटा जादूगर ने लेखक से कहा कि उसकी माँ ने आज कहा है कि उसकी घड़ी समीप है इसलिए वह आज घर जल्दी आ जाए ।इतना सुनने के बाद भी छोटा जादूगर का अपनी माँ को छोड़कर सड़क पर आ कर तमाशा दिखाना लेखक को अच्छा नहीं लगा ।इसलिए वे क्रोधित हुए।

5. झोपड़ी के अंदर के दृश्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर :- झोपड़ी के अंदर का दृश्य दर्दनाक था। छोटा जादूगर की माँ मरने की स्थिति में थी।वह उसे पुकार रही थी।थोड़ी देर बाद वह अपना प्राण त्याग देती है।छोटा जादूगर अपनी माँ से लिपटकर रोने लगता है।लेखक स्तब्ध होकर सारा दृश्य देखते है।

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न 1.
छोटे जादूगर ने मेले में क्या-क्या देखा?
उत्तर:
छोटे जादूगर ने मेले में चूड़ी फेंकना, खिलौनों पर निशाना लगाना, तीर से नंबर छेदना और जादूगर के ताश का खेल देखा।

प्रश्न 2.

छोटे जादूगर ने कितने खिलौनों पर गेंद से निशाना लगाया?

उत्तर:

छोटे जादूगर ने बारह खिलौनों पर गेंद से निशाना लगाया।

. . .. . .

छोटे जादूगर के पिता जेल क्यों गए?

उत्तर:

छोटे जादूगर के पिता देश की आजादी की खातिर जेल में गए थे। यह बात छोटा जादूगर बड़े गर्व के साथ बताता है।

प्रश्न 2.

लेखक की पत्नी ने छोटे जादूगर से क्या कहा?

उत्तर:

लेखक की पत्नी ने छोटे जादूगर से अपना जादू का खेल दिखाने और मन बहलाने के लिए कहा।

छोटे जादूगर का खेल उस दिन क्यों नहीं जमा?

उत्तर:

छोटे जादूगर का खेल उस दिन इसलिए नहीं जमा क्योंकि उस दिन उसकी माँ ने उसे घर जल्दी आने की हिदायत दी थी क्योंकि उसे यह आभास हो रहा था कि उसकी मृत्यु की घड़ी समीप है।

लेखक ने छोटे जादूगर की झोंपड़ी में क्या देखा?

उत्तर:

लेखक ने छोटे जादूगर की झोंपड़ी में एक स्त्री को देखा। वह चिथड़ों से लदी हुई काँप रही थी। उसे देखकर यह लग रहा था कि उसकी तबियत बहुत खराब है। छोटा जादूगर ने उसके ऊपर कंबल डालकर उसके शरीर से चिपटते हुए कहा "माँ"। लेखक की आँखों से आँसू निकल पड़े।

कहानी के आधार पर छोटे जादूगर की दशा का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

छोटा जादूगर एक तेरह-चौदह वर्ष का बालक था। उसकी दशा बहुत दयनीय थी। उसके परिवार में माता-पिता थे। पिता तो देश की खातिर जेल में चले गए थे। उसकी माँ बीमार रहती थी। पैसे न होने के कारण अस्पताल वालों ने उसे निकाल दिया था। वह छोटा बालक सड़क के किनारे खेल-तमाशा दिखाया करता था। अपनी माँ की इतनी सेवा करने के बावजूद अंत में उसकी माँ का देहांत हो गया और वह इस संसार में अकेला रह गया।